www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 लोकसभा परिसीमन: लोकतंत्र की मजबूती...
3 मोटापा कम करने को लेकर जगी नई उम्मीद...
4 शुभई के जमालपुर टोला से डॉ. अंबेडकर...

वर्ष: 9 | अंक: 170 | दिल्ली, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संसद, विधानसभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को उनकी 134वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। रेखा गुप्ता के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, दिन में मुख्यमंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में आंबेडकर की स्मृति में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में भाग लिया। बाद में उन्होंने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और अन्य मंत्रियों के साथ विधानसभा परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गुप्ता ने आंबेडकर को समानता, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के अग्रदूत के रूप में याद किया। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में आंबेडकर के अद्वितीय योगदान का उल्लेख भी किया।

राजस्थान सरकार समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध: भजनलाल शर्मा

राजस्थान (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। शर्मा ने कहा कि बाबासाहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने चार जातियों-- युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है तथा उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. आम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेदभाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबासाहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका कहना था कि दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज भी कहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबासाहब आम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है जिसके माध्यम से इन गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का किया शिलान्यास

यमुनानगर में गोबर-धन संयंत्र का शिलान्यास और रेवाड़ी बाईपास का किया उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

यमुनानगर। संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेशवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में लगभग 8469 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का शिलान्यास किया। इसके अलावा, यमुनानगर में 90 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले गोबर-धन संयंत्र का शिलान्यास और लगभग 1069 करोड़ रुपये से निर्मित रेवाड़ी बाईपास का भी उद्घाटन किया।

समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज, कृष्ण लाल पंवार और श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा पावर जनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) को दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई स्थापित करने की अनुमति दी गई। यह परियोजना यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 2 गुणा 300 मेगावॉट इकाइयों वाले मौजूदा संयंत्र का विस्तार है। इस तीसरी इकाई के निर्माण के लिए 233 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 52 महीने की समय सीमा तय की गई है, जबकि वाणिज्यिक संचालन 48 महीनों के अंदर यानी मार्च, 2029 तक शुरू हो जाएगा। इस इकाई से हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,382 मेगावॉट तक बढ़ जाएगी।

■ विकसित भारत के लिए विकसित हरियाणा हमारा संकल्प, इस संकल्प की सिद्धि के लिए सरकार ज्यादा स्पीड से करेगी काम-प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित हरियाणा हमारा संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए, हरियाणा के लोगों की सेवा के लिए और यहां के युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए सरकार ज्यादा स्पीड से और ज्यादा बड़े स्केल पर काम करेगी। गरीब, किसान, नौजवान और नारी शक्ति, इन चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए डबल इंजन सरकार निरंतर काम कर रही है और हम सभी के प्रयासों से हरियाणा जरूर विकसित होगा। हरियाणा फलेगा, फूलेगा और देश का नाम रोशन करेगा, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं। प्रधानमंत्री यमुनानगर में आयोजित विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह में प्रदेशवासियों को विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास करने उपरांत उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल, केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज, श्री कृष्ण लाल पंवार और श्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे। श्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के भाई-बहनों को राम-राम कहते हुए मां सरस्वती के उद्गम स्थल, पंचमुखी हनुमान जी और कपाल मोचन की धरा को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि यहां संस्कृति, श्रद्धा और समर्पण की त्रिवेणी बहती है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का विजन, उनकी प्रेरणा निरंतर विकसित भारत की यात्रा में हमें दिशा दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि यमुनानगर सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यह भारत के औद्योगिक नक्शे का भी अहम हिस्सा है। प्लाईवुड उद्योग से लेकर पीतल और स्टील के बर्तन तक यह पूरा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। यह धरती कपाल मोचन मेला, ऋषि वेदव्यास की तपोभूमि और गुरु गोबिंद सिंह जी की शस्त्र भूमि है।

समारोह में सांसद नवीन जिंदल, रेखा शर्मा, रामचंद्र जांगड़ा और कार्तिकेय शर्मा, यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल, असंध विधायक योगेन्द्र राणा, रंजीता मेहता, विधायक इन्द्री रामकुमार कश्यप सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

असंध के विधायक योगेंद्र राणा यमुनानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए। (छाया: एसबी)

मां यमुना की धरा यमुनानगर में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत असंध के लोकप्रिय विधायक योगेंद्र राणा ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह ऐतिहासिक क्षण सदा स्मरणीय रहेगा।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पूर्व विधायक चुन्नू बाबू के प्रतिमा का किया अनावरण

कार्यक्रम की अध्यक्षता जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. प्रमेन्द्र बाजपेयी ने की

सिवान से संजना भारती स्थानीय संपादक राकेश कुमार गुप्ता

सिवान। सोमवार को गोरेयाकोठी के नारायण महाविद्यालय में कॉलेज के संस्थापक सचिव और पूर्व विधायक भूमेंद्र नारायण सिंह उर्फ चुन्नू बाबू की 10 वीं पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी आए थे। इस दौरान डिप्टी सीएम सहित अन्य अतिथियों ने 3.94 करोड़ के विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया है। जिसमें 3 करोड़ 47 लाख 67 हजार के लागत से बनने वाले नौ सड़कों का शिलान्यास और 30 लाख 27 हजार 300 की तीन योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी संयुक्त रूप से शिलान्यास व उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके पहले कार्यक्रम स्थल पर हेलीकॉप्टर से पहुंचने पर डिप्टी सीएम का गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

सम्राट चौधरी आए हेलीकॉप्टर से और खराब मौसम की वजह से गए सड़क मार्ग से: डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी करीब तीन बजे हेलीकॉप्टर से गोरेयाकोठी आए। लेकिन वापसी सड़क मार्ग से करनी पड़ी। दरअसल पटना में मौसम खराब होने से हेलीकॉप्टर गोरेयाकोठी में छोड़ कर वे सड़क मार्ग से रवाना हुए। हालांकि करीब दो घंटे तक सम्राट चौधरी गोरेयाकोठी में रुके। इस दौरान मौसम ठीक होने का इंतजार करते रहे। लेकिन काफी देर बाद भी मौसम विभाग की तरफ से हरी झंडी नहीं मिलने पर उन्हें सड़क मार्ग से जाने का फैसला किया।

सभा को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर 2025 की चुनाव में जनता फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनाती है, तो पलायन पर रोक लगाने के लिए हम लोग काम करेंगे। बिहार से बाहर रहने वाले लोगों को यहां बुलाकर उद्योग-धंधा लगाया जायेगा, ताकि यहां के लोगों को दूसरे प्रदेश में काम करने नहीं जाना पड़े। पूरे बिहार में सड़क, बिजली स्वास्थ्य सहित अन्य बिंदुओं पर काम हो चुके हैं। अब केवल बारी है कि लोगों के पलायन को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में 2005 से पहले 10 विश्वविद्यालय होते थे। जो नीतीश कुमार की सरकार ने 33 विश्वविद्यालय खोलने का काम किया। उन्होंने कहा कि सीवान जिले के जिस भी प्रखंड में महाविद्यालय अभी तक नहीं खुला है, वहां पर उच्च शिक्षा के लिए महाविद्यालय की स्थापना करायी जायेगी। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को प्रस्तावित करते हुए कहा कि ऐसे प्रखंडों की सूची सरकार को उपलब्ध कराएं, ताकि मुख्यमंत्री से बात कर महाविद्यालय की स्थापना करायी जा सके। हमारी सरकार की सोच है कि सभी जगह उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा का मंदिर खुलवाया जाये।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि चुन्नू बाबू समाज के पुरोधा थे। गोरेयाकोठी के गांवों में बिजली, शिक्षा चुन्नू बाबू की देन है। गोरेयाकोठी ही नहीं, बल्कि जिले के विकास के प्रति उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का आशीर्वाद है।

मौके पर जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर परमेंद्र कुमार बाजपेई, जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता, विधायक देवेशकांत सिंह, सांसद विजयलक्ष्मी देवी, पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद सिंह, विधायक कुसुम सिंह, पूर्व सांसद ओम प्रकाश यादव, जिला परिषद अध्यक्ष संगीता देवी, भाजपा जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी, सिवान पूर्व के जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद, मीडिया प्रभारी देवेंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष संजय पांडे, लोजपा जिला अध्यक्ष महादेव पासवान डॉ रमेंद्र नारायण सिंह, विकास कुमार सिंह जिशू सिंह, सोनी गुप्ता, आभा देवी, सुभाष सिंह कुशवाहा, पूनम गिरी, नगर परिषद् की उपसभापति किरण गुप्ता, पूर्व एमएलसी मनोज कुमार सिंह, भिखारी सिंह, डॉ राजू सिंह, प्रदीप कुमार रोज आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री का हरियाणा से विशेष लगाव: डा. अरविंद शर्मा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के सहकारिता और पर्यटन तथा कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा के साथ विशेष लगाव रहा हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री हरियाणा में 25 दौरे कर चुके हैं। उन्होंने इस दौरान हरियाणा को मनोहारी सौगातें दी हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों का प्रधानमंत्री ने दिल जीत लिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उपहार दिया है। इसके बाद हरियाणा के लोगों को हवाई सफर करने का अवसर मिलेगा। इस एयरपोर्ट के बाद हरियाणा का पर्यटन भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा को इंटरनेशनल पर्यटन मैप पर लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि विमान तल बनने के बाद हरियाणा में इंटरनेशनल स्तर के पर्यटक भी आ सकेंगे। हरियाणा को पर्यटन की दृष्टि से अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए प्रदेश सरकार आवश्यक कदम उठा रही है।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड पूर्वी चंपारण के तत्वाधान में मुख्य जिला आयुक्त रत्नेश्वरी शर्मा के निर्देशन में भारत स्काउट और गाइड कार्यालय परिसर में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला संगठन आयुक्त राज किशोर पासवान ने सभी स्काउटस गाइडस को संबोधित करते हुए बताया कि अंबेडकर की जीवनी से आज के युवा वर्गों को विपरीत परिस्थितियो से कैसे सामना करें सीख लेनी चाहिए साथ ही अपने जीवन में उतरना चाहिए तभी आप एक कामयाब एवं सुयोग्य नागरिक बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकेंगे। बाबा साहब अंबेडकर के तेलचित्र पर उपस्थित सभी स्काउट गाइड्स एवं पदाधिकारीगण माल्यार्पण एवं पुष्परपित किया। इसके बाद श्री सौरभ जोरवाल जिलाधिकारी-सह सभापति भारत स्काउट और गाइड पूर्वी चंपारण से प्रभावित होकर विद्यापति पब्लिक स्कूल पादुमकेर के शिक्षक डेब कुमार मुखर्जी ने अपने स्काउट गाइड टीम के साथ रेड कॉस सोसाइटी मोतिहारी में पहुंचकर रक्तदान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज किशोर पासवान पूर्व जिला संगठन आयुक्त स्काउट, हीरालाल राउत प्राचार्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौवाडीह पहाड़पुर, दीपक कुमार गुप्ता जिला संगठन आयुक्त स्काउट, बसंत राय शिक्षक, अनुराधा कुमारी सहायक जिला संगठन आयुक्त गाइड, अंकित कुमार नंदन कुमार गोलू कुमार रितिशा राज, पल्लवी रानी, पुष्पांजलि रानी, चांदनी कुमारी, मंदीप कुमार, शुभम कुमार आदि उपस्थित थे।

अंबेडकर ने भारत को दुनिया में दी हीरे जैसी चमक: आजाद सिंह

लोगों ने हरियाणा में विकास का श्रेय सीएम नायब सैनी को दिया

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सोमवार का दिन हरियाणा की धरती पर पूरी तरह संविधान रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नाम रहा। हरियाणा के लोगों ने सुबह सवेरे डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश के लोगों को अंबेडकर जयंती की बधाई दी, तो दूसरी प्रदेश भर के लोगों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा की धरती हिसार और यमुनानगर में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। दोनों स्थानों पर रैली में पहुंची भारी भीड़ ने साबित कर दिया कि मोदी है तो मुमकिन है।

दूसरी ओर हरियाणा में हो रहे तेजी से विकास का श्रेय हरियाणा की जनता प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दे रही है। यह बात हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरमैन आजाद सिंह ने यमुनानगर में आयोजित रैली में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चिलचिलाती धूप में यमुनानगर में पहुंची प्रदेश के लोगों की भीड़ यह बता रही थी कि हरियाणा की धरती ने न केवल देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया बल्कि प्रदेश के लोगों ने अपना पूरा स्नेह मोदी के सम्मान में भेंट कर दिया है। आजाद सिंह ने कहा कि संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती सुबह करनाल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए बताया गया कि बाबा साहेब ने भारत को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मकता के साथ कदम बढ़ाए। बाबा साहेब न केवल एक व्यक्ति थे बल्कि वह अपने आप में एक ऐसी विशेष संस्था थे, जिन्होंने भारत के नाम को देश दुनिया में भी हीरे की तरह चमक देने का काम किया है। भारत से छुआछूत को समाप्त करने के लिए बाबा साहेब ने विशेष कदम बढ़ाए। एक शोषित वर्ग को ऊपर उठाने के साथ-साथ महिला उत्थान सहित तमाम वर्गो के लिए विशेष कार्य किए है।

रेवाड़ी में किए जाने वाले हाईवे के विकास की चर्चा की। इसके साथ ही कहा कि यमुनानगर में लगने वाले 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट यूनिट से प्रदेश में बिजली का संकट दूर होगा। भाजपा की सरकार ने सौर उर्जा के माध्यम से लोगों को इस काबिल बना दिया है कि उनके घर का बिल जीरो हो गया है और सरप्लस बिजली को बेच कर वह लोग मुनाफा कमा रहे है।

इस अवसर पर आजाद सिंह ने रैली को सफल बनाने वाले लोगों का आभार प्रकट किया है। इस अवसर भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के राज्य उपाध्यक्ष एडवोकेट सुरेश चौधरी, वाल्मीकि समाज नव युवक सभा के प्रदेशाध्यक्ष अमरजीत सिंह, राज्य सफाई कर्मचारी आयोग करनाल के कॉर्डिनेटर राजेश वैध, डेहा समाज के अध्यक्ष सुपच ऋषि समाज समिति के अध्यक्ष सेबा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

पीएम मोदी की श्रद्धा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकताओं की तरह नरेन्द्र मोदी की जो विचारधारा विकसित हुई है, उसके तहत जिनके प्रति सर्वाधिक नफरत करना सिखाया गया है, उनमें महात्मा गांधी तथा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ संविधान निमार्ता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर रहे हैं जिनकी सोमवार को देश भर में जयंती मनाई गई। वैसे तो पीएम होने के नाते उन्हें उन सभी राष्ट्र निमार्ताओं को उनके जीवन की महत्वपूर्ण तिथियों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने होते हैं क्योंकि वे जिस पद पर आसीन हैं, यह शिष्टाचार उनके कर्तव्य निर्वहन के अंतर्गत होता है-फिर चाहे उन महामानवों के विचारों से उनकी पटरी बैठे या न बैठे। समझदार तो वे होते हैं जो विपरीत विचारों की शख्सियतों को माल्यार्पण आदि कर अपने उत्तरदायित्व की खानापूरी कर लेते हैं। मोदीजी ने बाबासाहेब की 135वीं जयंती पर उनके योगदान स्वरूप जो बातें कहीं, उसमें विरोधाभासों व विसंगतियों की भरमार थी-हमेशा की भांति। यह बात एक बार फिर से यह साबित हुई कि मोदी हर अवसर को विपक्ष, खासकर कांग्रेस को कोसने तथा खुद की वाहवाही करने से ज्यादा कुछ नहीं मानते, जो हास्यास्पद है, दुर्भाग्यजनक भी। प्रधानमंत्री पद की गरिमा व प्रतिष्ठा के प्रतिकूल तो है ही। वैसे यह मोदी के लिये बड़ी बात नहीं है। सोमवार की सुबह मोदी संसद के भीतर श्रद्धांजलि का औपचारिक कार्यक्रम पूरा करने के बाद, जिसमें तमाम प्रमुख शख्सियतें मौजूद थीं, हरियाणा के हिसार पहुंच गये जहां इस अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया था। अपनी चिर-परिचित शैली में प्रधानमंत्री ने इस शहर के साथ अपने पुराने सम्बन्धों का जिक्र किया। उन्होंने अंबेडकर के जीवन-संघर्ष का उल्लेख करते हुए बतलाया 'बाबासाहेब का संदेश ही उनकी 11 वर्षीय सरकार की यात्रा का प्रेरणा-स्तंभ है'। अंबेडकर के प्रति अपनी कटिबद्धता को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए पीएम ने दावा किया कि 'उनकी सरकार का हर दिन, हर फैसला, हर नीति डॉ. अंबेडकर को समर्पित रहा।' वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं के जीवन में बदलाव लाकर उनके सपनों को पूरा करना उन्होंने अपनी सरकार का मकसद बतलाते हुए कहा कि उनका निरंतर व तेज विकास ही भाजपा सरकार का मंत्र है। चूंकि सोमवार को ही हिसार-अयोध्या हवाई सेवा शुरू हुई, तो मोदी ने अपने उस वादे का जिक्र किया कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। उनका दावा था कि देश में आज यह होता हुआ सब देख रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा-'जब तक बाबासाहेब जीवित थे, कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया। दो बार चुनाव हरवाया तथा उनकी यादें मिटाने की कोशिशें कीं।' मोदी के अनुसार कांग्रेस अंबेडकर के विचारों को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहती थी। पीएम ने डॉ. अंबेडकर को संविधान का संरक्षक और कांग्रेस को उसका भक्षक बतलाया। कांग्रेस के प्रति अपनी भड़ास को निचले स्तर तक ले जाते हुए मोदी ने कहा कि 'कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों, अनु. जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों को हमेशा दोयम दर्जे का नागरिक समझा। उनके मुताबिक कांग्रेसी नेताओं के घरों में स्विमिंग पूल होते थे तथा गांवों में प्रति सैकड़ा केवल 16 घरों में ही पाइप से पानी पहुंचता था। इससे ये वर्ग ही सबसे ज्यादा प्रभावित थे। वक्फ कानून को लेकर भी मोदी कांग्रेस पर बरसे तथा इसे 'कट्टरपंथियों को खुश करने का साधन' बतलाया जबकि बाकी समाज बेहाल, अशिक्षित व गरीब रहा। प्रधानमंत्री ने 'कांग्रेस की कुनीति का सबसे बड़ा प्रमाण वक्फ कानून' बतलाया। अपने निशाने पर उन्होंने कर्नाटक सरकार को भी लिया व आरोप लगाया कि उसने अनु. जाति-जनजाति और ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दिया। नये वक्फ कानून को उन्होंने गरीब और पसमांदा मुस्लिमों, महिलाओं, खासकर विधवाओं, बच्चों आदि के लिये लाभप्रद बताया। इसे ही पीएम ने 'असली सामाजिक न्याय' बतलाया। वैसे उनका कांग्रेस से सवाल करना कहीं अधिक मजेदार है कि पार्टी का अध्यक्ष मुस्लिम क्यों नहीं है? यदि अध्यक्ष ही हितैषी होने का पैमाना है तो मानना होगा कि कांग्रेस दलित हितैषी तो है क्योंकि मल्लिकार्जुन खरगे दलित हैं। भाजपा को अपना अध्यक्ष किसी मुस्लिम को बनाकर बतलाना चाहिये कि वह मुस्लिमों की हितैषी है। जो भी व्यक्ति मोदी के शासनकाल को ध्यान से देख रहा है वह जानता है कि मोदी की उपरोक्त बातों में कितनी सच्चाई है। हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज की सुविधा पहले ही अन्य जुमलों की तरह एक सुपर फ्लॉप वादा साबित हो चुका है क्योंकि इन दिनों हवाई यात्रा करना उच्च मध्यवर्गीय लोगों के लिये भी सम्भव नहीं रह गया है। वक्फ पर नए कानून का देश भर में होता विरोध बतला रहा है कि मुस्लिम उसे अपने हित में कतई नहीं मान रहे हैं। वे यह भी देख रहे हैं कि केन्द्र सरकार या उसके किसी भी राज्य की सरकार में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है। बहरहाल, मुख्य मुद्दे पर आयें तो यह ऐतिहासिक सच्चाई है कि अंबेडकर को यदि गांधी और नेहरू का समर्थन न होता तो वे कानून मंत्री नहीं बनाये जाते। उनके बनाये संविधान के मसौदे को संविधान सभा तथा संसद में स्वीकृत कराने में नेहरू का प्रमुख योगदान था जबकि आरएसएस व हिन्दू महासभा ने इसका विरोध किया था। मोदी का अंबेडकर तथा संविधान के प्रति प्रेम दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के चलते उमड़ा है। भाजपा और उसके नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस का क्रमशः 370 व 400 सीटों का लक्ष्य इसलिये अधूरा रह गया क्योंकि जनता को संकेत मिल गये थे कि भाजपा संविधान को बदलने के लिये पूर्ण बहुमत के लायक सीटें चाहती है। इसलिये भाजपा 303 से 240 पर उतर आई और दो दलों (जनता दल यूनाइटेड व तेलुगु देसम पार्टी) की बैसाखियों पर खड़ी है। मोदी व भाजपा को अंबेडकर और संविधान की ताकत का पता चल चुका है। लगता है कि कांग्रेस का 'जय बापू जय भीम जय संविधान' का नारा भी असर करता दिखाई दे रहा है।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

लोकसभा परिसीमनः लोकतंत्र की मजबूती या क्षेत्रीय तनाव का नया दौर?

परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040-50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है

-अरुण कुमार डनायक

भारत में स्वतंत्रता के बाद कई पुराने-नए विवाद उभरे, कुछ को सरकारों ने बंद बस्ते में डाल दिया। अब एक नया जटिल मुद्दा है लोकसभा सीटों का परिसीमन, जिसे 1976 के 42वें और 2002 के 84वें संविधान संशोधन के जरिए 2026 तक टाला गया। यह विवाद अब फिर से सुर्खियों में है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें, 1971 की जनगणना के आधार पर तय हैं। संविधान के अनुसार, हर जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होना चाहिए। 1951 से 1971 तक ऐसा हुआ। आपातकाल के दौरान पारित हुए 42वां संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर आवंटित सीटों की संख्या को आगामी 25 वर्षों के लिए स्थिर कर दिया। 2002 के संशोधन ने यह मानते हुए कि देश के विभिन्न हिस्सों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति के कारण किसी भी नई जनगणना पर आधारित परिसीमन करने निर्णय लिया जाना उचित नहीं होगा और यह अवधि और 25 वर्षों अर्थात 2026 तक के लिए बढ़ा दी।

इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि 1971 से अब तक कोई नई जनगणना आधारित परिसीमन नहीं हुआ है। 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है, और अगर अब जनसंख्या के अनुपात में सीटों का पुनर्विन्यास किया गया, तो दक्षिणी राज्यों की सीटों में कटौती हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्य इसी कारण से परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। आकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में विन्ध्य पर्वत के उस पार स्थित राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि की दर कम रही है। संविधान, लोकसभा सदस्यों की संख्या निर्धारण में समान अनुपातिता की व्यवस्था देता है लेकिन लद्दाख, गोवा और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों में जनसंख्या की तुलना में अधिक सांसद हैं, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में प्रतिनिधित्व कम है।

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20-25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी। जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ने से तेजी से बढ़ रही आबादी वाले राज्यों की आवाज मजबूत होगी। इससे असंतुलन कम होगा। अधिक सांसद मुद्दों पर गहन एवं विविधतापूर्ण चर्चा कर लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे।

यदि यह फायदे हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। अधिक सांसदों का मतलब वेतन, भत्ते और सुविधाओं पर ज्यादा खर्च। अधिक सदस्यों के साथ संसद में बहस और निर्णय लेना जटिल हो सकता है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होगी। जनसंख्या आधारित डिलिमिटेशन से उत्तर भारत के राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिणी राज्य अपने प्रभाव को कम होता देख सकते हैं। सीटें बढ़ने से राजनीतिक दलों को अधिक उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे, जिससे चुनावी खर्च और प्रबंधन जटिल हो सकता है। साथ ही, छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है।

परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040-50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाये, लेकिन जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाये।

पिछले अनुभव बताते हैं कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र में विधायिका अनेक कमियों से जूझ रही है। संसद और विधानसभाओं के सत्रों की अवधि लगातार घट रही हैं, और इनमें हंगामा, नारेबाजी या बहिष्कार जैसे व्यवधानों के कारण प्रभावी चर्चा और विधायी कार्य कम हो पाता है। प्रतिनिधियों को जटिल नीतिगत मुद्दों की पर्याप्त समझ नहीं होती, इससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुणवत्तापूर्ण गहन बहस नहीं हो पाती। कई निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले लंबित रहते हैं, जो विधायिका की विश्वसनीयता और नैतिकता पर सवाल उठाते हैं।

दलीय अनुशासन से बंधे सांसद और विधायक स्वतंत्र रूप से मतदान करने में असमर्थ होते हैं। संसदीय समितियों का उपयोग विधेयकों की गहन जांच के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता और उनके सुझावों को सरकार द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। विधायिका में महिलाओं और कुछ अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है, जिससे उनकी आवाज कमजोर रहती है। कई बार विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा या जनता की राय लिए जल्दबाजी में पारित कर दिया जाता है, जिससे अपर्याप्त या दोषपूर्ण कानून बनते हैं। विधायिका के भीतर मंत्री परिषद की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तंत्र की कमी है।

लोकसभा सीटों का परिसीमन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने की संभावना के साथ-साथ क्षेत्रीय असंतुलन और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ जैसे जोखिम भी जुड़े हैं। अधिक सांसदों से स्थानीय मुद्दों पर ध्यान बढ़ सकता है, लेकिन संसद की कार्यक्षमता, क्षेत्रीय तनाव और वित्तीय लागत जैसे नुकसान इसे विवादास्पद बनाते हैं। वर्तमान संसदीय व्यवस्था में व्याप्त कमियों- जैसे सत्रों की कमी, हंगामा, अपर्याप्त बहस और जवाबदेही के अभाव को देखते हुए केवल सीटों की संख्या बढ़ाना समाधान नहीं है। भारत की विविधता और सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए, परिसीमन से पहले व्यापक सहमति, पारदर्शी जनगणना, और संसदीय सुधारों पर जोर देना जरूरी है। इसके बजाय, संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में करना अधिक लाभकारी होगा। आज भारत को केवल एक विशाल संसद की नहीं, अपितु सशक्त और समावेशी लोकतंत्र की आवश्यकता है। हमें गांधीजी के लोकतांत्रिक आदर्शों को हृदयंगम करना होगा, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा को मिटाया जा सके। सुसंस्कृत प्रतिनिधित्व और दूरदर्शी नीतिगत हस्तक्षेप के माध्यम से राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति को सुनिश्चित किया जा सकता है।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता एवं समाजसेवी हैं)

संघवाद की हिमायत में फैसला

राज्यपाल की यह नकारात्मक सक्रियता इस हद तक पहुंच गयी थी कि 2023 में जब सुप्रीम कोर्ट ने इसी विवाद में यह फैसला दिया था कि राज्यपाल, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक अपने पास रोक कर नहीं रख सकता है और उसके पास ऐसे किसी भी विधेयक को मंजूरी देने के सिवा दो ही विकल्प थे, या तो विधेयक को नामंजूर कर के विधानसभा को लौटा दे या फिर परामर्श के लिए राष्ट्रपति को भेज दे

-राजेंद्र शर्मा

नरेंद्र मोदी के राज में राज्यपाल के पद को जिस तरह से विपक्ष-शासित राज्यों में सत्ताधारी संघ-भाजपा जोड़ी की क्षुद्र राजनीति का हथियार बनाया गया है, उस पर यकायक किसी तरह से रोक लग जाएगी, यह मानना मुश्किल है। फिर भी तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु राज्यपाल आदि मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो असाधारण फैसला सुनाया है, उसने मौजूदा निजाम में राज्यपालों की भूमिका के सवाल को एक बार फिर बहस के केंद्र में ला दिया है।न्यायाधीशगण जेबी पारदीवाला और आर माधवन के फैसले का महत्व सिर्फ इतना ही नहीं है कि पहली बार तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित ऐसे दस विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बिना ही पारित करार दे दिया गया है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के अनुसार राज्य के राज्यपाल ने 'अवैध' तरीके से सालों से रोका हुआ था।

राज्यपाल की यह नकारात्मक सक्रियता इस हद तक पहुंच गयी थी कि 2023 में जब सुप्रीम कोर्ट ने इसी विवाद में यह फैसला दिया था कि राज्यपाल, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक अपने पास रोक कर नहीं रख सकता है और उसके पास ऐसे किसी भी विधेयक को मंजूरी देने के सिवा दो ही विकल्प थे, या तो विधेयक को नामंजूर कर के विधानसभा को लौटा दे या फिर परामर्श के लिए राष्ट्रपति को भेज दे। उस समय राज्यपाल ने बरसों से रोक कर रखे जा रहे विधेयकों को विधानसभा के दोबारा पारित कर के भेजने के बाद, उन पर मंजूरी देने के बजाए, कथित रूप से परामर्श के नाम पर राष्ट्रपति के पाले में डाल दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस समूचे धतकर्म को अवैध करार देते हुए, संबंधित दस विधायकों को राज्य विधानसभा द्वारा उनके दोबारा पारित कर लौटाए जाने की तारीख से ही, पारित घोषित कर दिया है। इस फैसले का असर यह भी है कि केरल की एलडीएफ सरकार ने भी ऐसे ही मामले में, अपने राज्य के राज्यपाल द्वारा लंबे अर्से से रोक कर रखे गए, विधानसभा द्वारा पारित हुए विधेयकों को, इसी प्रकार से पारित घोषित किए जाने की मांग की है। राज्यपालों की विधानसभा की कार्यवाही में रोड़े अटकाने की अनुचित हरकतों को कटघरे में खड़ा किए जाने की यह बात निकली है, तो दूर तक जाएगी। याद रहे कि उत्तर हो या दक्षिण या पूर्व, कोई भी विपक्ष-शासित राज्य नहीं है, जहां मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपालों ने इस तरह की असंवैधानिकता नहीं की है। तमिलनाडु और केरल ही नहीं, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली आदि की सरकारें भी, ऐसी ही शिकायतों के साथ सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंची थीं। इसे देखते हुए यह कहने में जरा भी अतिरंजना नहीं होगी कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, राज्यपालों के ऐसी असंवैधानिकता करने के लिए जिम्मेदार, केंद्र सरकार के मुंह पर एक करारा तमाचा है।

लेकिन, जैसे इस मामले में मोदी राज की इसी संलिप्तता का परोक्ष साक्ष्य पेश करते हुए, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी हरकतों को गैर-कानूनी ठहराते हुए सुप्रीम भर्त्सना किए जाने के बावजूद, न सिर्फ राज्यपाल के पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है, वह तो राज्यपाल के पद की मयार्दाओं को मिट्टी में मिलाते हुए, हर रोज नये-नये विवाद खड़े करने में लगा हुआ है। ताजातरीन विवाद उसने मदुरै में एक सार्वजनिक शिक्षा संस्था के कार्यक्रम में छात्रों से "जय श्रीराम" के नारे लगवा कर किया है, जो एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए सरासर असंवैधानिक आचरण है। बहरहाल, इन मामलों में केंद्र की संलिप्तता के प्रत्यक्ष साक्ष्य भी कम नहीं हैं। ऐसे ही एक साक्ष्य में केंद्र की ओर से इसके इशारे किए जा रहे हैं कि सरकार, सुप्रीम कोर्ट के उक्त फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करने जा रही है।

वास्तव में इस मामले में केंद्र सरकार को ही एक प्रकार से एक पक्ष बनाते हुए, देश के एडवोकेट जनरल ने इस मामले में तमिलनाडु के राज्यपाल की पैरवी की थी। तमिलनाडु के राज्यपाल के पक्ष में एडवोकेट जनरल द्वारा यह पूरी तरह से संविधानविरोधी और संघीय व्यवस्था विरोधी दलील दी गयी थी कि राज्यपाल के पास, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूर करने, नामंजूर करने या राष्ट्रपति को भेजने के सिवा एक चौथा विकल्प भी होता है, जिसे आम लोगों की भाषा में पॉकेट वीटो कहा जाता है यानी विधेयक को लिया और जेब में डालकर भूल गए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले में न सिर्फ यह स्पष्ट कर दिया गया है कि राज्यपाल को इस तरह के किसी भी वीटो का कोई अधिकार नहीं है, बल्कि यह भी साफ कर दिया गया है कि राज्यपाल को और यहां तक कि राष्ट्रपति को भी, ऐसे विधेयकों के मामले में इस समुचित समय सीमा के अंदर अपना फैसला देना होगा और यह समय सीमा एक महीने से लेकर तीन महीने तक की है। इस तरह, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तरफ से तो राज्यपाल द्वारा राज्य विधानसभा के निर्णय के रूप में, राज्य की जनता की इच्छा का रास्ता रोके जाने की इस बढ़ती प्रवृत्ति का रास्ता बंद ही कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट शब्दों में और बलपूर्वक इस बात को कहा गया है कि राज्यपाल की भूमिका तो संविधान के रखवाले की है यानी उसका काम संघीय व्यवस्था का सुचारु रूप से काम करना सुनिश्चित करने में मदद करना है। उसकी भूमिका किसी भी तरह से राजनीतिक खिलाड़ी की नहीं है और विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की तो हर्गिज-हर्गिज नहीं है। कहने की जरूरत नहीं है कि मोदी राज में विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपालों को, विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की ठीक ऐसी ही भूमिका में घटा दिया गया है। अव्वल तो राज्यपालों की नियुक्ति ही इन अपेक्षाओं के आधार पर ही की जा रही है और अगर कोई कमी रह जाती है, तो केंद्र के निर्देशों से उन्हें संघ-निर्देशित रास्ते पर ले आया जाता है। बेशक, हमारे देश में संघीय व्यवस्था के संदर्भ में, राज्यपालों के पद का केंद्र की राजनीतिक इच्छा के हिसाब से दुरुपयोग किए जाने का इतिहास, मोदी राज से कहीं पुराना है। तरह-तरह के बहानों से निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने/हटाने के लिए राज्यपाल के पद का इतनी बार दुरुपयोग हुआ है कि न सिर्फ इस पद की भूमिका पर कई आयोगों/ कमेटियों द्वारा रोक-टोक करने वाली टिप्पणियां की गयी हैं तथा शर्तें लगायी गयी हैं, वास्तव में अनेक हलकों से इस पद की ही जरूरत पर भी सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है कि मोदी राज में इन प्रवृत्तियों को एक नयी ही ऊंचाई पर पहुंचा दिया गया है और राज्यपालों को विपक्षी सरकार के खिलाफ इस हद तक तथा इतनी नंगई से सत्ताधारी पार्टी के सक्रिय एजेंटों में तब्दील किया गया है, जैसा इससे पहले कभी नहीं हुआ था।

इस खेल की नंगई को समझने के लिए एक तथ्य की ओर ध्यान दिलाना ही काफी होगा। तमिलनाडु विधानसभा के जिन विधेयकों को राज्यपाल रवि ने अनंतकाल तक रोके रखने की कोशिश की थी और जिन्हें अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश से कानून बना दिया गया गया है, उनमें उच्च शिक्षा क्षेत्र से संबंधित विधेयक भी शामिल हैं, जो राज्य विश्वविद्यालयों के चांसलर का पद राज्यपाल से लेकर, निर्वाचित सरकार को सौंपने का प्रयास करते हैं। मोदी राज में संघ-भाजपा द्वारा राज्यपालों को माध्यम बनाकर, जिस तरह राज्य विश्वविद्यालयों पर ही कब्जा करने का अभियान छेड़ा गया है, उसके सामने तमिलनाडु ही नहीं केरल, पश्चिम बंगाल आदि अन्य अनेक विपक्ष-शासित राज्यों को भी, राज्यपाल को पदेन चांसलर के पद से हटाने का रास्ता अपनाना पड़ा है। लेकिन, मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपाल, इसके सीधे उनके अपने हितों से जुड़ा मामला होने के बावजूद, विधानसभाओं द्वारा पारित इन विधेयकों को भी दबा कर बैठे रहे हैं।

बेशक, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों का रोक कर रखा जाना, विपक्षी सरकारों के खिलाफ राज्यपाल के पद के दुरुपयोग का एकमात्र हथियार नहीं है। लेकिन, यह संघीय व्यवस्था की जड़ पर ही प्रहार करने वाला ऐसा अतिवादी हथियार जरूर है, जिसकी असंवैधानिकता सुप्रीम कोर्ट की छन्नी से बचकर नहीं निकल पायी है। इससे मौजूदा शासन की बढ़ती संघवादविरोधी प्रवृत्ति पर कुछ अंकुश लगने की उम्मीद तो की ही जा सकती है। पर यह अंकुश उसी हद तक काम करेगा, जिस हद तक विपक्षी ताकतें सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के संघवाद तथा जनतंत्र के लिए महत्व को, आम जनता के बीच ले जाने में कामयाब होंगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

मेहुल चौकसी से मोदी लेंगे पाई-पाई का हिसाब!

(एजेन्सी)।

पंजाब नैशनल बैंक के हजारों करोड़ रुपये के घोटाले में भगोड़ा घोषित किए गए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय एजेंसियां विदेश मंत्रालय के सहयोग से चोकसी को भारत लाने की कोशिशें कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार भारतीय अधिकारियों की एक टीम भी बेल्जियम का दौरा करने वाली है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चोकसी के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही जल्द से जल्द शुरू हो सके। विभाग ने कहा कि बेल्जियम के अधिकारी चोकसी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्यवाही की तैयारी कर रहे हैं, जबकि उसके लिए कानूनी सलाहकार भी उपलब्ध कराए जाएंगे। मेहुल चोकसी को 12 अप्रैल, 2025 को गिरफ्तार किया गया था। उसे आगे की न्यायिक कार्यवाही की प्रत्याशा में हिरासत में रखा गया है।

उसके कानूनी सलाहकार तक पहुंच सुनिश्चित की गई है। विभाग के एक प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि बेल्जियम संघीय लोक सेवा न्याय इस बात की पुष्टि कर सकता है कि भारतीय अधिकारियों ने चोकसी के लिए प्रत्यर्पण अनुरोध पेश किया। वो अपनी खराब सेहत के आधार पर जमानत लेने की कोशिश में है। मेहुल और भतीजे नीरव मोदी को लेकर देश में सियासत भी होती रही है। खबरों के मुताबिक, मेहुल को सीबीआई के अनुरोध पर वहां पकड़ा गया है। सीबीआई ने उसे अदालत से भगोड़ा घोषित कराकर रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी कर रखा था। उस नोटिस के बारे में फिलहाल कन्फ्यूजन है।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारी मेहुल चोकसी मामले में अगली सुनवाई के लिए बेल्जियम जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वे पहले से ही कानूनी रणनीति तैयार कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह जेल में ही रहे और प्रत्यर्पण की कार्यवाही शुरू हो सके। सूत्रों ने बताया कि भारतीय अधिकारियों को उम्मीद है कि सबूतों के आधार पर बेल्जियम की अदालत भगोड़े कारोबारी के खिलाफ प्रत्यर्पण कार्यवाही के उनके अनुरोध को स्वीकार कर लेगी। चोकसी पर अपने भतीजे नीरव मोदी, उसकी पत्नी अमी मोदी और उसके भाई नीशाल मोदी के साथ सरकारी पंजाब नेशनल बैंक में 12,636 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। 2018 में चोकसी भारत से भाग गया और एंटीगुआ की नागरिकता ले ली।

रुमर्ड बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर मंदिर पहुंची मैरीकॉम

(एजेन्सी)।

भारत की दिग्गज बॉक्सर मैरीकॉम सालों तक अपने खेल के कारण सुर्खियों में रहीं। वह देश की सबसे कामयाब बॉक्सर हैं। एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स के साथ-साथ वह ओलंपिक गेम्स में भी मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, कुछ दिनों से वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में है। उनके तलाकों की अफवाहें चल रही हैं। इस बीच उनका रूमर्ड बायफ्रेंड के साथ का वीडियो वायरल हुआ।

मैरीकॉम का नाम साथी बॉक्सर के पति हितेश चौधरी के जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों कुछ समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस बीच मैरीकॉम हितेश के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। इंस्टाग्राम पर जो वीडियो वायरल हुआ उसमें हितेश और मैरीकॉम पीले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे थे। दोनों मंदिर के बाहर मीडिया से बात करते नजर आए। वहां से जाते हुए दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा हुआ था। वह पूरे समय साथ ही रहे। इससे पहले दोनों दुबई में भी साथ दिखाई दिए थे। वहीं दोनों ने महाकुंभ में भी साथ डुबकी लगाई थी। बता दें कि, मैरी कॉम क्रिश्चियन हैं। उनकी जब साल 2005 में शादी हुई तब भी ईसाई रीति-रिवाज से ही शादी हुई थी। हितेश चौधरी मैरीकॉम फाउंडेशन के चेयरमैन हैं। साथ ही उनके बायो में लिखा है कि वह क्रिकेटर भी रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हितेश की पत्नी भी मैरीकॉम की तरह बॉक्सर ही हैं।

पिछले कुछ महीनों से दोनों ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है जबकि मैरीकॉम ने अपने पति ओनलर के साथ काफी समय से नजर नहीं आई हैं।

डॉ. रेड्डीज कर्मचारियों की संख्या में 25% की कटौती करेगी

(एजेन्सी)।

फार्मा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज कथित तौर पर कार्यबल से संबंधित लागत में लगभग 25% की कटौती कर रही है, जो हाल के वर्षों में भारतीय फार्मास्युटिकल क्षेत्र में सबसे आक्रामक कॉर्पोरेट पुनर्गठन में से एक का संकेत है।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई वरिष्ठ अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है, जिनमें 1 करोड़ रुपये से अधिक वेतन वाले कई कर्मचारी भी शामिल हैं। लागत में कटौती के इस अभियान ने लंबे समय से काम कर रहे 50-55 आयु वर्ग के कर्मचारियों को भी नहीं बख्शा है, विशेष रूप से अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) प्रभाग में, कथित तौर पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की पेशकश की गई है।

हालांकि कंपनी ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है और एचटी स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट की पुष्टि नहीं कर सका है, लेकिन सूत्रों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि लागत में कटौती से नेतृत्व और मध्य-वरिष्ठ भूमिकाओं में उच्च वेतन वाले पेशेवरों पर असर पड़ने की संभावना है।

पिछले सप्ताह, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड ने कहा था कि उसे आयकर प्राधिकरण से एक कारण बताओ नोटिस मिला है, जिसमें डॉ रेड्डीज होल्डिंग लिमिटेड (डीआरएचएल) के उसके साथ विलय से संबंधित 2,395 करोड़ रुपये से अधिक की प्रस्तावित मांग की गई है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि कंपनी को 4 अप्रैल, 2025 को हैदराबाद स्थित सहायक आयकर आयुक्त के कार्यालय से कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ।

फाइलिंग में कहा गया है कि कंपनी को यह जवाब देने की आवश्यकता है कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), हैदराबाद द्वारा 5 अप्रैल, 2022 को अनुमोदित समामेलन योजना के तहत डीआरएचएल के डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड (डीआरएल) में विलय के परिणामस्वरूप कर से बचने वाली कथित आय के आकलन के लिए नोटिस क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए।

'लालची लोगों ने रुकवाई थी बैटल ऑफ सारागढ़ी की शूटिंग'

(एजेन्सी)।

अभिनेता रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने अपने करियर के कुछ अनछुए पहलुओं पर बात की। रणदीप ने रणबीर द्वारा फिल्म हाईवे के प्रमोशन और अपनी फिल्म 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' के बंद होने के बारे में भी खुलकर बात की। शुभंकर मिश्रा के साथ उनके यूट्यूब पॉडकास्ट पर रणदीप हुड्डा ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि हाईवे के प्रमोशन से बाहर रखे जाने पर उन्हें बुरा लगा था। अभिनेता ने कहा, 'ये पता नहीं क्यों हुई थी। इसका बुरा मुझे भी लगा था क्योंकि अगर उसे वक्त मुझे और सहारा मिलता तो शायद मेरा जीवन थोड़ा और आसान होता, करियर आसान हो जाता। मैंने भी वो देखा और मुझे भी समझ नहीं आया रणबीर कपूर का इस तस्वीर से क्या लेना देना। शायद वही से शादी शुरू हुई और मैं उन दोनों को मुबारकबाद देता हूं। इसे अगर उनका जीवन आपस में मिला तो मैं इसे बहुत खुश हूं।'

रणदीप ने आगे कहा, 'मैं किसी भी प्रमोशन में नहीं था। आखिरी के दिनों में, शायद जब ट्रैक्शन नहीं पकड़ रहा था, मुझे भी लेके गए एक-दो जगह। शायद शुरू से उनकी रणनीति यही थी कि वो आलिया के आसपास (प्रचार) करेंगे और वो पिक्चर भी थोड़ी सी महिला शोषण पर थी तो शायद उसको आगे रखा था। जब पिक्चर लोगो तक पहुंची, उन्हें एहसास हुआ कि अगर महावीर भाटी ना हैं तो और वैसा रोल मैं ना करता तो शायद वो पिक्चर वैसी पकड़ती नहीं।'

रणदीप ने फिल्म 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' के बारे में बात की। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने तीन साल तक कड़ी मेहनत की। इस दौरान उन्होंने एक्सट्रैक्शन के सीक्वल जैसी हॉलीवुड फिल्मों के ऑफर भी ठुकरा दिए, लेकिन आखिर में कुछ लालची लोगों की वजह से फिल्म बंद हो गई। रणदीप ने कहा, 'हमारी फिल्म पहले शुरू हुई थी। फिर 'केसरी' बनने लगी, जो ठीक नहीं था। फिल्म का लगभग 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा शूट हो चुका था, लेकिन कुछ लालची लोगों की वजह से यह प्रोजेक्ट रुक गया। उस फिल्म में मैं अकेला सिख था। बाकी कोई सिख नहीं था।' अभिनेता ने बताया कि फिल्म के अचानक बंद हो जाने की वजह से उन्हें डिप्रेशन हो गया था। अभिनेता ने माना कि वह उनके करियर का सबसे मुश्किल दौर था।

दही खाने से बढ़ती इम्यूनिटी

कैल्शियम और विटामिन D का स्रोत, जानें दही के फायदे, किसे नहीं खाना चाहिए

गर्मियों में भोजन की थाली में अगर दही भी शामिल हो तो स्वाद बढ़ जाता है। दही खाने में जितना स्वादिष्ट होता है, सेहत के लिए उससे भी ज्यादा फायदेमंद होता है।

लगभग 4 हजार साल पहले बुल्गारिया में खानाबदोश लोगों ने डिनर में दूध खाया और जो बचा उसे छोड़ दिया। सुबह तक यह दूध जमकर दही बन गया। दूध इससे पहले भी दही बना था, पर इस दिन किसी ने इसे चखकर देखा। यह स्वादिष्ट था। ब यहीं से दही जमाने की शुरुआत हो गई। बुल्गारिया में आज भी हर डिश में दही मिलाया जाता है। अगर किसी डिश में दही नहीं मिला तो इसे स्टेपल की तरह परोसा जाता है।

दही खाने से पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इससे वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है और हड्डियां भी मजबूत रहती हैं। इससे हार्ट हेल्थ में भी सुधार होता है।

दही की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है?

इसमें कौन से विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं?

किन लोगों को दही नहीं खाना चाहिए?

दही की न्यूट्रिशनल वैल्यू

अगर दही होल मिल्क से बनाया गया है, यानी दूध से क्रीम नहीं निकाली गई है। इस 100 ग्राम दही में लगभग 61 कैलोरी होती हैं। दही का लगभग 88% पानी होता है। इसमें प्रोटीन और कार्ब्स के अलावा और क्या होता है, ग्राफिक में देखिए।

दही में होते हैं जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स

डॉ. अजय कुमार कहते हैं कि दही दूध से कई गुना ज्यादा फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स ही इसे सुपरफूड बनाते हैं। इसमें लगभग हर वह मिनरल मौजूद है, जो हमारे शरीर के लिए जरूरी है। कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे जरूरी मिनरल्स होते हैं।

दही खाने से सेहत को कई फायदे

डॉ. अजय कुमार कहते हैं कि दही दुनिया के सबसे अच्छे प्रोबायोटिक्स में से एक है। दही हमारे गट बैक्टीरिया के पसंदीदा भोजन में से एक है, इससे गट में मौजूद गुड बैक्टीरिया की संख्या में इजाफा भी होता है।

इससे पाचन तंत्र सुधरता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। दही खाने से दांत और हड्डियां भी मजबूत होते हैं। इससे और क्या फायदे हैं, ग्राफिक में देखिए-

दही से जुड़े कुछ कॉमन सवाल और जवाब

सवालः क्या रोज दही खाना सही है?

जवाबः हां, रोज दही खाने से पाचन ठीक रहता है और शरीर को जरूरी पोषण मिलता है। हालांकि एक बार में बहुत ज्यादा दही खाने से बचना चाहिए।

सवालः क्या लैक्टोज इनटॉलरेंट लोगों को दही खाना चाहिए?

जवाबः हां, ज्यादातर लैक्टोज इनटॉलरेंट लोग दही खा सकते हैं क्योंकि इसमें मौजूद बैक्टीरिया लैक्टोज को तोड़कर इसे पचाने में मदद करते हैं। इसके बावजूद अगर आप लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो दही खाने से पहले एक बार डॉक्टर से जरूर पूछें।

सवालः क्या दही से वजन बढ़ सकता है?

जवाबः नहीं, दही मेटाबॉलिज्म तेज करता है। इसलिए दही खाने से वजन कंट्रोल में रहता है। अगर कोई बहुत ज्यादा मीठा दही या हाई-फैट दही खा रहा है तो वजन बढ़ सकता है।

सवालः क्या दही खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है?

जवाबः नहीं, दही खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसमें मौजूद फास्फोरस, मैग्नीशियम और पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखते हैं। ये मिनरल्स हमारे शरीर में कई जरूरी बायोलॉजिकल प्रोसेस के लिए भी जरूरी होते हैं। इनकी मदद से ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है और मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।

सवालः क्या खाली पेट दही खाना सुरक्षित है?

जवाबः नहीं, खाली पेट दही खाने से पेट में एसिडिटी या गैस हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि दलिया, भोजन या किसी खाने की चीज के साथ स्टेपल की तरह दही खाएं।

सवालः क्या रात में दही खाना सुरक्षित है?

जवाबः आमतौर पर रात में दही खाने से कोई समस्या नहीं होती हैं। हालांकि, आयुर्वेद के मुताबिक, रात में दही खाने से कफ और बलगम बढ़ सकता है। इसलिए रात में दही अवॉइड करना चाहिए, अगर का रहे हैं तो थोड़ी मात्रा में ही खाएं।

सवालः क्या दही खाने से हार्ट हेल्थ सुधरती है?

जवाबः दही में विटामिन B और खासतौर पर विटामिन B-12 और B-2 यानी राइबोफ्लेविन भरपूर मात्रा में होते हैं। ये दोनों विटामिन्स हार्ट डिजीज और कुछ न्यूरल ट्यूब बर्थ डिफेक्ट से बचा सकते हैं। इसलिए दही खाने से हार्ट हेल्थ में सुधार होता है।

सवालः क्या दही खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है?

जवाबः नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, रोज दही खाने से इम्यून सिस्टम को मजबूत होता है। इससे हार्ट हेल्थ अच्छी रहती है और डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों के जोखिम कम होते हैं।

सवालः क्या दही बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद है?

जवाबः हां, दही में मौजूद प्रोटीन और लैक्टिक एसिड स्किन को नमी देते हैं, साथ ही बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं।

सवालः किन लोगों को दही नहीं खाना चाहिए?

जवाबः आमतौर पर हर कोई दही खा सकता है। हालांकि, कुछ बीमारियों में इसका सेवन सुरक्षित नहीं माना जाता है। इसलिए कुछ लोगों को दही नहीं खाना चाहिए-

जिन्हें अर्थराइटिस या गठिया है।

जिन लोगों को अस्थमा है।

ढीली त्वचा को टाइट और फर्म कैसे करें?

समय के साथ त्वचा में ढीलापन आना एक आम समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं लेकिन आजकल कम उम्र से ही लोग इस समस्या का सामना करने लगते हैं। यहां जानिए, ढीली त्वचा को टाइट और फर्म कैसे करें?

आजकल की खराब लाइफस्टाइल, अनियमित खानपान और बढ़ते तनाव के कारण न केवल हमारी सेहत प्रभावित होती है, बल्कि इसका असर हमारी त्वचा पर भी साफ दिखने लगता है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ त्वचा की लचीलापन कम हो जाती है, जिससे यह ढीली और बेजान नजर आने लगती है। इसके अलावा, सूर्य की हानिकारक किरणें, नींद की कमी, खराब डाइट और स्किनकेयर रूटीन की अनदेखी भी स्किन के नेचुरल ग्लो को फीका कर देती है। इस लेख में KARA - Dermatology Solutions & Aesthetic Centre की फाउंडर और डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि शर्मा से हम जानेंगे कि त्वचा को टाइट बनाए रखने के लिए कौन-कौन से तरीके सबसे ज्यादा असरदार हो सकते हैं और किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ढीली त्वचा को टाइट और फर्म कैसे करें? -

1. हाइड्रेशन है जरूरी

डर्मेटोलॉजिस्ट के अनुसार, त्वचा को टाइट और जवां बनाए रखने के लिए हाइड्रेशन सबसे जरूरी है। जब त्वचा को पर्याप्त नमी नहीं मिलती, तो वह रूखी, बेजान और ढीली पड़ने लगती है। इसके लिए रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। साथ ही नहाने के तुरंत बाद त्वचा पर लोशन या मॉइस्चराइज़र लगाएं ताकि त्वचा की नमी लॉक हो सके।

2. हायलूरोनिक एसिड और विटामिन C सीरम

स्किनकेयर रूटीन में हायलूरोनिक एसिड युक्त मॉइश्चराइजर शामिल करें। इसके अलावा आप विटामिन Cसीरम का भी उपयोग करें, इससे त्वचा बेहतर होती है।

2. प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर डाइट लें

हमारी त्वचा का लचीलापन बनाए रखने में कोलेजन और इलास्टिन नामक प्रोटीन का अहम रोल होता है।

मोटापा कम करने को लेकर जगी नई उम्मीद

मोटापा कम करने वाली और एंटी-डायबिटिक दवा मौन्जारो भारत में लॉन्च हो गई है। इसे भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी CDSCO से मंजूरी मिल गई है। इसे अमेरिकी दवा कंपनी एली लिली एंड कंपनी ने लॉन्च किया है।

मौन्जारो वेट लॉस से जुड़े कमाल के फायदों के लिए जानी जाती है, लेकिन ऐसी ही कई मोटापे कम करने वाली दवाओं को लेकर लंबे समय से विवाद है कि दवा खाकर मोटापा कम करना कितना ठीक है। वेट लॉस दवाओं के साइड इफेक्ट्स को लेकर देश-दुनिया के कई बड़े डॉक्टर्स चिंता जता चुके हैं।

> **“ भारत में लॉन्च हुई वेट-लॉस ड्रग मौन्जारो; 2.5 mg इंजेक्शन 3,500 रुपए में, जानें साइड इफेक्ट्स ”**

इसके बावजूद दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क इसकी वकालत कर चुके हैं। चेल्सी हैंडलर और ट्रेसी मोर्गन सरीखे कई हॉलीवुड स्टार्स भी इस बात को भरे मंच से स्वीकार भी कर चुके हैं कि वे वेट मैनेजमेंट के लिए वेट-लॉस ड्रग्स लेते हैं।

यह कैसे काम करती है?

क्लिनिकल ट्रायल में क्या पता चला?

इसकी कीमत क्या होगी?

मौन्जारो लेने के साइड इफेक्ट्स क्या हैं?

भारत में मोटापे का संकट

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में भारत में बढ़ रहे मोटापे को लेकर चिंता जताई थी। साल 2021 में भारत सरकार द्वारा किए गए नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक, भारत के लगभग 23% पुरुषों और 24% महिलाओं का वजन सामान्य से ज्यादा है। इसका मतलब है कि भारत मोटापे के संकट से जूझ रहा है। यह मोटापा कई जानलेवा बीमारियों का कारण भी बन सकता है। ऐसे में सवाल बनता है कि क्या वेट-लॉस ड्रग मौन्जारो इस संकट को टाल सकती है।

मौन्जारो क्या है?

मौन्जारो एक दवा है, जिसे अमेरिकी फार्मा कंपनी एली लिली ने विकसित किया है। इसे टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

मौन्जारो कैसे काम करती है?

डाइटीशियन जया ज्योत्सना कहती हैं कि जब हम खाना खाते हैं तो शरीर में GLP-1 यानी ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 और GIP यानी ग्लूकोज-निर्भर इंसुलिनोट्रोपिक पॉलीपेप्टाइड नाम के दो हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं। ये हार्मोन इंसुलिन लेवल को बढ़ाकर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और भूख को कम करके पेट भरा होने का एहसास दिलाते हैं।

मौन्जारो इन दोनों हार्मोन्स की सिंथेटिक यानी कृत्रिम कॉपी है। इसे खाने पर यह इंसुलिन उत्पादन बढ़ाकर ब्लड शुगर कंट्रोल करती है और भूख को दबाती है, जिससे कम खाना खाने की इच्छा होती है। यही कारण है कि इसे वजन घटाने की दवा के रूप में भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

क्लिनिकल ट्रायल में क्या पता चला?

मौन्जारो पर 2 मेजर ग्लोबल क्लिनिकल ट्रायल किए गए-

वेट-लॉस के लिए

इस स्टडी में 2,539 ज्यादा वजन या मोटापे से ग्रस्त वयस्कों को शामिल किया गया। इन लोगों ने डाइट और एक्सरसाइज के साथ मौन्जारो लिया। इसका 72 हफ्तों में काफी वजन घट गया।

डायबिटीज कंट्रोल के लिए

इस स्टडी में मौन्जारो को अन्य डायबिटीज की दवाओं के साथ आजमाया गया। 40 हफ्तों तक किए गए क्लिनिकल टेस्ट में पता चला कि यह ब्लड शुगर (A1C) के लेवल को 2.4% तक कम करने में प्रभावी रही।

इसका मतलब है कि मौन्जारो न केवल वजन कम करने में बल्कि डायबिटीज को नियंत्रित करने में भी मददगार है।

भारत में मौन्जारो की कीमत क्या होगी?

मौन्जारो की शुरुआती खुराक 2.5 mg पर इसकी मासिक कीमत 14 हजार रुपये है। हफ्ते में एक खुराक यानी महीने में 4 खुराक लेनी होती हैं।

2.5 mg की सिंगल-डोज वायल की कीमत 3,500 रुपये है।

वहीं 5 mg के इंजेक्शन की कीमत 4,375 रुपये है।

क्या मौन्जारो के कोई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं?

डाइटीशियन जया ज्योत्सना कहते हैं कि वेट लॉस ड्रग मौन्जारो या ऐसी कसभी वेट लॉस दवाओं के कई साइड इफेक्ट हो सकते हैं। ये दवाएं हमें भूख का एहसास कराने वाले हॉर्मोन्स को संतुलित करती हैं, लेकिन ये हमारे मेटाबॉलिक रेट को धीमा करके पाचन को भी धीमा कर देती हैं। अब जबकि हमारे पेट में खाना इतनी देर से पचेगा तो भोजन करने की इच्छा ही नहीं होगी। लंबे समय तक ये दवाएं खाने से मेटाबॉलिज्म बुरी तरह प्रभावित हो सकता है और खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है। इन खतरों को लेकर देश-दुनिया के डॉक्टर्स कई बार आगाह कर चुके हैं।

मौन्जारो से जुड़े कॉमन सवाल और जवाब

सवालः मौन्जारो किसके लिए है?

जवाबः मौन्जारो उन लोगों के लिए है जिन्हें टाइप-2 डायबिटीज है या जो मोटापे (Obesity) से जूझ रहे हैं और वजन कम करना चाहते हैं।

सवालः क्या मौन्जारो सेफ है?

जवाबः हां, इसे ग्लोबल स्टडी और क्लिनिकल ट्रायल्स में इस काफी प्रभावी और सुरक्षित पाया गया है। हालांकि कोई भी वेट-लॉस ड्रग डॉक्टर की सलाह के बाद ही लेनी चाहिए।

सवालः मौन्जारो को कब और कैसे लेना चाहिए?

जवाबः भारत में यह इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध है और इसे सप्ताह में एक बार लेने की सलाह दी गई है। हालांकि, किसी के लिए डोज की सही मात्रा क्या होगी, यह डॉक्टर तय करेंगे। इसका फैसला पेशेंट के वजन और उसकी ओवरऑल हेल्थ के हिसाब से किया जाता है।

सवालः क्या मौन्जारो से तुरंत वजन कम हो जाता है?

जवाबः नहीं, ऐसा नहीं होता है। इंजेक्शन लेने के बाद वजन कम होने में कई हफ्ते या कुछ महीनों का समय लग सकता है। इसे डाइट और एक्सरसाइज के साथ लेना ज्यादा फायदेमंद होता है।

सवालः मौन्जारो के इंस्टैंट संभावित साइड इफेक्ट्स क्या हैं?

जवाबः इसके कारण कुछ लोगों को मतली, उल्टी, कब्ज, डायरिया, थकान या सिरदर्द हो सकता है। अगर कोई गंभीर समस्या हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। .

गर्मियों में जल्दी सूखते हैं तुलसी धनिया और गुलाब

गर्मी का मौसम न सिर्फ इंसानों, बल्कि पेड़-पौधों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। तेज धूप और गर्म हवाएं नमी को खत्म कर देती हैं, जिससे पौधों को विशेष देखभाल की जरूरत पड़ती है। इस मौसम में सही समय पर पानी देना, मिट्टी की नमी बनाए रखना और पौधों के लिए छाया की व्यवस्था करना बेहद जरूरी होता है। अगर सही तरीके अपनाए जाएं तो गर्मियों में भी आपका बगीचा हरा-भरा और खूबसूरत बना रह सकता है।

पौधों के लिए किस तरह का खाद बेहतर है?

गर्मी में पौधों को किस समय पानी देना चाहिए?

एक्सपर्टः राजकुमार कपूर, गार्डनिंग एक्सपर्ट, आगरा

सवाल- गर्मी में किस तरह के पौधे जल्दी सूख सकते हैं?

जवाब- पौधों की कोशिकाएं टर्गर प्रेशर (Turgor Pressure) के कारण तनी रहती हैं, जिससे पौधा खड़ा रहता है। जब मिट्टी का तापमान 30-40C से ऊपर चला जाता है, तो जड़ों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। तेज धूप और पानी की कमी से पत्तियों का तनाव कम हो जाता है और वे मुरझाने लगती हैं। लंबे समय तक पानी की कमी से कोशिकाएं सूख जाती हैं और पौधे मर सकते हैं।

सवाल- गर्मी के मौसम में पौधों की सही देखभाल कैसे करें?

जवाब- गार्डनिंग एक्सपर्ट राजकुमार कपूर बताते हैं कि तेज धूप और अधिक तापमान के कारण पौधों के सूखने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में उनकी सही देखभाल के लिए सुबह जल्दी (6-8 बजे) या शाम (5-7 बजे) के बीच पानी देना चाहिए। इससे नमी ज्यादा समय तक बनी रहती है।

> **“ तापमान 40 डिग्री से बढ़ने पर पौधे मुरझाते हैं, पौधों को सूखने से कैसे बचाएं ”**

मई-जून के महीने में पौधों में कम-से-कम दो बार पानी देना चाहिए। ध्यान रखें कि पानी की मात्रा सीमित होनी चाहिए क्योंकि अधिक पानी से कुछ पौधों की जड़ें सड़ सकती हैं।

इसके अलावा मिट्टी की सतह पर पुआल, सूखी घास, लकड़ी के बुरादे, नारियल या भूसी की परत बिछाएं। इससे मिट्टी में नमी बनी रहती है और पौधे गर्मी से सुरक्षित रहते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य बातों का भी

सवाल- गर्मियों में पौधों को किस के कीटों से ज्यादा खतरा रहता है?

जवाब- गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने के साथ ही एफिड्स, मिली बग्स, व्हाइटफ्लाई जैसे कई तरह के कीटों (Pests) का प्रकोप बढ़ जाता है। ये कीट पौधों की पत्तियों, तनों, फूलों और जड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उनकी ग्रोथ रुक सकती है।

सवाल- इस मौसम में पौधों को कीटों से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

जवाब- रोजाना पौधों की पत्तियों और तनों की जांच करें। खासतौर पर पत्तियों की निचली सतह देखें क्योंकि अक्सर कीट वहीं छिपे रहते हैं। किसी भी खराब अथवा पीले पड़ चुके पत्ते या शाखा को तुरंत हटा दें। इसके अलावा नई पत्तियों और तनों पर ज्यादा ध्यान दें क्योंकि वे अधिक सेंसिटिव होते हैं।

सवाल- क्या गर्मी के मौसम में गमले में लगे पौधों और जमीन में उगे पौधों की देखभाल अलग-अलग तरीके से करनी चाहिए?

जवाब- गार्डनिंग एक्सपर्ट राजकुमार कपूर बताते हैं कि दोनों तरह के पौधों के देखभाल में कुछ बेसिक अंतर होता है। गमले वाले पौधों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकि उनकी मिट्टी जल्दी सूख जाती है और उन्हें अधिक पोषण की जरूरत होती है। वहीं जमीन वाले पौधे स्वाभाविक रूप से मजबूत होते हैं और कम देखभाल में भी अच्छी तरह बढ़ सकते हैं। सही तरीकों से देखभाल करके आप दोनों तरह के पौधों को गर्मियों में हरा-भरा रख सकते हैं।

सवाल- गर्मियों में लॉन की घास को सूखने से कैसे बचाएं?

जवाब- गर्मियों में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लॉन की घास सूखने लगती है। इसे हरा-भरा बनाए रखने के लिए घास को बहुत छोटा न काटें। घास को कम-से-कम 2-3 इंच की साइज में रखें, जिससे यह धूप से बची रहे।

इसके अलावा नियमित रूप से हल्की कटाई करें। जैविक खाद (गोबर, कंपोस्ट) का ही इस्तेमाल करें, जिससे मिट्टी में पर्याप्त नमी और पोषण बना रहे। आप चाहे तो लॉन के आसपास छायादार पौधे लगा सकते हैं या नेट ग्रीन शेड लगा सकते हैं। इससे ज्यादा धूप में भी घास सुरक्षित रहेगी।

सवाल- पौधों के लिए किस तरह की खाद का इस्तेमाल करना चाहिए?

जवाब- गर्मी का मौसम हो या फिर ठंडी और बरसात, पौधों के लिए हमेशा जैविक खाद का इस्तेमाल ही करना चाहिए। यह न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित होती है। हमेशा गोबर खाद या वर्मी कम्पोस्ट खाद का इस्तेमाल करना चाहिए।

पूर्व मंत्री आबिद रजा ने जयंती पर डॉ. आंबेडकर की मूर्ति लगवाने की घोषणा की

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। संविधान निर्माता डॉ अम्बेडकर जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री आबिद रजा ने लालपुल, नेकपुर, गद्दी चौक व जिला अस्पताल के सामने मुख्य अम्बेडकर पार्क पर जाकर बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

नेकपुर अम्बेडकर पार्क पर अम्बेडकर जयंती के आयोजक कमेटी ने पार्क के फर्श पर पत्थर व ठंडे पानी की मशीन लगाने का पूर्व मंत्री आबिद रजा से अनुरोध किया। जिसको पूर्व मंत्री आबिद रजा ने स्वीकार करते हुए कहा कि जल्दी ही पार्क के फर्श का पत्थर व ठंडे पानी की मशीन लगाई जाएगी।

पूर्व मंत्री आबिद रजा ने बाबा साहब की जयंती के अवसर पर कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान दिया। जिससे देश के प्रत्येक नागरिक को देश में जीने की आजादी मिली। बाबा साहब ने हमेशा शोषित, वंचित, मजलूम गरीब, दलित, पिछड़े, अल्प संख्यकों की लड़ाई लड़ी। इसी संघर्ष ने बाबा साहब को महान बनाया। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा कि हम सभी को बाबा साहब के आदर्शों को जीवन में उतारना चाहिए तथा उनके पदचिन्हों पर ही चलना चाहिए। तभी विकास संभव होगा। हम सभी को उनकी अपेक्षा के अनुरूप ही कार्य करना चाहिए।

डॉ अम्बेडकर जयंती के अवसर पर पूर्व मंत्री आबिद रजा ने घोषणा की कि बहुत जल्दी लालपुल पर बने अम्बेडकर पार्क का जीर्णोद्धार कराकर उसका सौन्दीयकरण कराया जाएगा तथा लालपुल के पार्क में बाबा साहब अंबेडकर की एक बड़ी मूर्ति की स्थापना की जाएगी।

बाबा साहेब के सिद्धांतों से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी: शमशेर गोगी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। युवा पीढी को बाबा साहेब के सिद्धांतों से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके विचारों का अनुसरण कर देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए। उपरोक्त विचार पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने सालवन रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में भारतीय संविधान के शिल्पी बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए कहे।

इस अवसर पर पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने बाबा साहब को नमन किया और कांग्रेस नेत्री अधिवक्ता सोनिया बोहत ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। पूर्व विधायक गोगी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने महिलाओं के अधिकारों और वंचित शोषित वर्गों के उत्थान के लिए जीवन पर्यन्त जो कार्य किए,वे आज भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समूचे समाज को यही मूल मंत्र दिया कि संघर्ष करो और आगे बढ़ो। कांग्रेस नेत्री अधिवक्ता सोनिया बोहत ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता जितेन्द्र चोपड़ा, युवा अध्यक्ष जतिन बिंदल, पूर्व सरपंच हरजिंदर सिंह, विक्की, कंवरभान जयसिंहपुरा, गुरविंदर सिंह, रमेश ठरी, दीपक ठरी, कृष्ण सिरोहा आदि उपस्थित रहे।

नशे के विरुद्ध लगातार जारी है पुलिस का जन जागरूकता अभियान

नशा है अनेक बीमारियों की जड़, नशे को कहें ना, जिंदगी को कहें हां

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। नशे के विरुद्ध कैथल पुलिस का जन जागरूकता अभियान लगातार जारी है। एसपी राजेश कालिया के निदेर्शानुसार जिला कैथल में एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार तथा होमगार्ड शमशेर को शामिल करके नशा जागरूकता टीम बनाई गई है। जो उक्त टीम गांव गांव जाकर आमजन सहित युवा वर्ग को नशे के दुष्प्रभाव बारे जागरूक कर रही है। सोमवार को उक्त टीम द्वारा कैथल में विभिन्न स्थानो पर युवाओं एवं उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए नशे के कारण होने वाले नुकसान के बारे मे बताया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल/ कॉलेज के छात्र-छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है। शरीर की ताकत नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण कैंसर, जिगर का खराब होना, फेफड़ों, दिल की बीमारी, शरीर का कमजोर होना, याददाश्त कमजोर होना, एड्स, मानसिक रोग आदि की बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है। ज्यादातर सामाजिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोक ही इसका शिकार होते हैं। इसलिए उनसे सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। नशे में फंसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए तथा इलाज के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही यह प्रवृत्ति इनको अपराध घटित करने के लिए भी प्रेरित करती है। आने वाले पीढ़ी को नशे से दूर कर एक सुनहरा भारत बनाने के लिए सीधी पुलिस ने यह पहल की है। पुलिस टीम द्वारा इस दौरान जिला वासियों से अपील भी की गई की आप अपने आस-पास के लोगो को नशे से होने वाले नुकसान के बारे बताये एवं नशीले पदार्थ बेचने वाले लोगो की जानकारी पुलिस को दे जिससे नशा तस्करों पर नकेल कसके जिला को नशामुक्त बनाया जा सके।

शुभई के जमालपुर टोला से डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान की जिलाधिकारी के द्वारा हुई शुरूआत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। मुख्यमंत्री द्वारा अधिवेशन भवन से डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान की शुरूआत के बाद जिलाधिकारी, यशपाल मीणा ने हाजीपुर प्रखंड के शुभई पंचायत के जमालपुर टोला से इस अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्देश्य सभी अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति परिवारों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ देना है।

अभियान की थीम है-हर टोला, हर परिवार, हर सेवा। जिलाधिकारी ने हाजीपुर प्रखंड के शुभई पंचायत के जमालपुर टोला में डॉ.अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अवसर पर आयोजित विशेष विकास शिविर के उद्घाटन के बाद कहा कि जिला के सभी 2219 टोला में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे जो 19 अप्रैल से शुरू होकर जुलाई महीने तक प्रत्येक बुधवार और शनिवार को आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए ब्लॉकवाइज विस्तृत कार्य योजना बना ली गई है। सभी पंचायतों में बीडीओ और प्रखंड कल्याण पदाधिकारी की देखरेख में विकास शिविर लगाए जाएंगे। विशेष शिविर में कुछ लाभुकों को जिलाधिकारी द्वारा राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-श्रम कार्ड आदि वितरित किए गए। साथ ही विशेष शिविर में चार लाभुकों को राशन कार्ड, 19 बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए विद्यालय में दाखिला, आंगनबाड़ी केंद्र के 10 मामले, जन्म मृत्यु प्रमाण-पत्र के 61 मामले, आधार कार्ड के तीन मामले, 10 ई-श्रम कार्ड, 7 आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा के 7 मामलों, बुनियादी केंद्र से संबंधित 7 मामलों, मनरेगा जॉब कार्ड के 34 तथा लोहिया स्वच्छता अभियान के 11 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया।

इस अवसर पर हाजीपुर के विधायक, अवधेश सिंह, समाजसेवी, अवधेश सिंह के साथ अपर समाहर्ता, विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त, कुंदन कुमार और जिला जन संपर्क का पदाधिकारी, नीरज के साथ सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके पहले पूर्वाह्न 11 बजे समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ विशेष शिविर की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक की और आवश्यकता निर्देश दिए। इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री द्वारा अधिवेशन भवन, पटना से डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के उद्घाटन सत्र के साथ वेब के माध्यम से कनेक्ट हुए।

जीवन चानन महिला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर एनएसएस समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जीवन चानन महिला महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को बड़े ही श्रद्धा भाव से एन.एस.एस. समिति द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेविकाओं द्वारा एक विशेष गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा के संचालन और एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी मनीषा फोगाट की देखरेख में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ सुरेखा द्वारा एनएसएस स्वयंसेविकाओं को डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन और उनके महान योगदान के बारे में जानकारी देने से हुई। डॉ. सुरेखा ने स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके द्वारा भारतीय संविधान में दिए गए योगदान की विस्तार से व्याख्या की।

इसके पश्चात स्वयंसेविकाओं ने संविधान और समानता के सिद्धांतों को आत्मसात करने की शपथ ली। इसके बाद एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया, जो पूरी तरह से डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित रही। यह पदयात्रा सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की गरिमा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यक्रम में दीप्ति दुआ, अदिति शर्मा, निधि, ऋद्धि और स्वर्णजीत कौर ने विशेष योगदान दिया।इस तरह एन.एस.एस. स्वयंसेविकाओं ने इस दिन को डॉ. अंबेडकर की स्मृति में एक यादगार अवसर में बदल दिया। इस मौके पर महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य डॉ हेमलता शर्मा, डॉ सिमरत पाल, छवि मोंगिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

सैकड़ों परिवारों के लिए मददगार साबित हो रही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना ने विशेष रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों को बड़ी राहत दी है। यह योजना विशेष रूप से अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए बनाई गई है। इस योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान करके सरकार ने विवाह के समय परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कम करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों को सहायता देना है जो अपनी बेटियों की शादी के लिए आवश्यक धनराशि जुटाने में सक्षम नहीं होते। उन्होंने कहा कि यह योजना ऐसे परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जहां शादी के खर्च को उठाना मुश्किल होता है।

डीसी प्रीति ने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न वर्गों के लिए अनुदान राशि निर्धारित की गई है। अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 71,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। पिछड़े वर्ग और सामान्य वर्ग के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 41,000 रुपये का अनुदान दिया जाता है। इसके साथ ही, विधवा, अनाथ, तलाकशुदा, बेसहारा महिलाएं और उनके बच्चों के लिए भी 51,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। योजना के तहत महिला खिलाड़ियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) के विवाह पर भी 41,000 रुपये की मदद दी जाती है। यदि विवाह में दोनों वर-वधू दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51,000 रुपये की अनुदान राशि मिलती है, जबकि अगर केवल एक वर या वधू दिव्यांग है, तो 41,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

सुलह समझौता होने से अधिवक्ताओं की हड़ताल स्थगित

एसबी संवाददाता

वाराणसी। अधिवक्ता शमीम नोमानी प्रकरण में सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कक्ष में सोमवार को ए.सी.पी. व प्रभारी निरीक्षक सिगरा आये और अध्यक्ष व अधिवक्ताओं के समक्ष एफआईआर में से अधिवक्ता का नाम निकालने, रोडवेज चौकी प्रभारी को हटाने की सूचना व दोषियों के विरुद्ध विभागीय जांच कराने के आश्वासन पर पीडित अधिवक्ता के सहमति पर मंगलवार को आहूत हडताल स्थगित करने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री राजेश गुप्ता ने मिडिया से साझा किया।

युवक के मौत पर भाजपाइयों ने दु:ख व्यक्त कर परिजनों को सांत्वना दी

एसबी संवाददाता/मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। इसौटा गावं मे देवी शंकर के मौत पर भाजपा जिलाध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ल ने दु:ख व्यक्त करते हुए परिजनों से कहा अपराधी चाहें जो भी हो भाजपा सरकार में भुक्तभोगी को मदद और न्याय मिलेगा। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने घर जाकर परिजनों एवं क्षेत्रीय जनों को समझाते हुए अधिकारियों से बात कर पीड़ित परिवार के मदद और घटना में संलिप्त लोगों के ऊपर कार्यवाही करते हुए न्याय दिलाने की बात की। विभवनाथ भारती ने कहा भाजपा सरकार में दलित के साथ भेद-भाव नहीं होता, अपराध करने वाला चाहे जितना शक्तिशाली हो योगीराज में कोई बच नहीं सकता, पूर्व जिलाध्यक्ष ने आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराया और परिजनों को सांत्वना देकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज को दी नई दिशा: शेर प्रताप शेरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। डॉ.भीमराव अंबेडकर ने समाज को एक नई दिशा दी। डॉ. अंबेडकर एक बहुत बड़े अर्थशास्त्री भी थे। उनकी शिक्षाएं हम अपने जीवन में अपनाएं और युवा पीढ़ी को भी प्रेरित करें। उपरोक्त विचार हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने गांव जयसिंहपुरा में वाल्मीकि मंदिर में डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए कहे। इस दौरान शेरी ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा विकास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत की। कांग्रेस नेता शेरी ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। समिति के प्रधान राजकुमार बर्मन, नरेश कुमार, महीपाल, कृष्ण बोहत, विक्रम, जोगिंद्र व बलवान पुनिया ने शेर प्रताप शेरी का फुल मालाए पहनाकर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कांग्रेस नेता ने बच्चों को कॉपी व पेन वितरित किए। शेर प्रताप शेरी ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। आज समाज के लोगों भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है।

इस अवसर पर सुखबीर सिंधड, डॉ. मांगे राम हुड्डा, प्रताप, धर्मपाल राठी, संदीप, वेद, मुकेश, रणधीरा, सुनील कुमार, अनिल कुमार, किताबा, सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

साइबर ठगों द्वारा पार्ट टाइम जॉब ऑफर का प्रलोभन देकर सोशल मीडिया पर की जा रही ठगी

रहें सावधान, खुद को रखें सर्तक: एसपी राजेश कालिया

एसपी कैथल राजेश कालिया।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। तकनीक के इस युग में लगभग हर व्यक्ति कंप्यूटर अथवा मोबाइल से जुड़ा हुआ है। ऐसे में साइबर अपराधी भी अपराध करने के नये नये तरीके अपना रहे है। आए दिन लोग साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। एसपी राजेश कालिया ने बताया कि साइबर ठगों द्वारा सोशल मीडिया पर लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर ठगी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है इनमे से एक ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब ऑफर का झूठा प्रलोभन देकर लोगों के साथ ठगी करने का तरीका सामने आया है। ठगी करने वाले लोगों को ऑनलाईन पार्ट टाइम जॉब देने का ऑफर करते हुए दिन में 1 से 2 घंटे तक काम करके हजारों रुपये प्रतिदिन कमाने का लालच देते हैं। इस प्रकार के लुभावने ऑफर को देखकर लोग आसानी से इनके जाल में फंस जाते है।

एसपी राजेश कालिया ने कहा कि ये लोग पार्ट टाइम ऑनलाइन जॉब करने के लिए लोगो को एसएमएस, व्हाट्सएप, टेलीग्राम मैसेजिंग, वेबसाइट, मोबाइल एप वा अन्य माध्यमों से लिंक भेजते है और उस लिंक को आगे अन्य लोगों को फॉरवर्ड करके अधिक पैसा कमाने के लिए कहा जाता है। लिंक को फॉरवर्ड करने के नाम पर बोनस का लालच भी दिया जाता है। ठग लिंक के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर ठगी करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने आमजन को साइबर ठगी की वारदातों से बचने के लिए अपील करते हुए कहा की ऐसे किसी भी प्रकार के प्रलोभन में ना आए और अपनी निजी जानकारी किसी के साथ शेयर ना करें। अंजान व्यक्तियों से प्राप्त लिंक पर क्लिक ना करें। साइबर ठग इन लिंक के माध्यम से ही आपकी निजी जानकारी हासिल करके आपके साथ ठगी करते हैं और आपकी जमा पूंजी को हड़प जाते हैं। ऐसे लोगो से सावधान रहना जरूरी है। साइबर ठगी से बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे बताते हुए एसपी ने कहा कि किसी भी संदिग्ध यूआरएल और लिंक का जवाब न दें और ना ही उस पर क्लिक करें। पार्ट टाइम जॉब की पेशकश करने वाले ऐसे किसी भी मैसेज का जवाब देने से बचें।

अज्ञात व्यक्तियों के साथ संपर्क स्थापित करने से बचें। अपनी पहचान और विश्वसनीयता की पुष्टि किए बिना अज्ञात व्यक्तियों को पैसे भेजने से बचें। मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करें। यदि आपने जालसाजों को पहले ही अपने बैंक खाते का विवरण दे दिया है, तो तुरंत अपने बैंक को सचेत करें। साइबर सुरक्षा युक्तियों के बारे में अधिक जानने के लिए ट्विटर पर साईबर दोस्त को फॉलो करें और साईबरक्राईम.जीओवी.ईन पोर्टल पर जाएं। किसी प्रकार का साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें।

जीवन में शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है: चक्रपाणि

डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने की जरूरत

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के 134 वी जयंती समारोह सोमवार को अकबरनगर स्टेशन के (पार्किंग) स्थल मे धूमधाम से मनाया गया। पार्टी के नेता, कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर उनके विचारों पर चलने एवं गांव-गांव ले जाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमप्रकाश पासवान ने किया एवं मुख्य अतिथि बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं समतुल्य कैबिनेट मंत्री डॉ चक्रपाणि हिमांशु थे। डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती सभा को संबोधित करते हुए डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि पढ़ो ऐसा की पढ़ाई जीवन का हिस्सा बन जाए। उन्होंने कहा की कठिनाई का बहाना नहीं बना रोज ईमानदारी पूर्वक पढ़ो तो पढ़ाई से प्यार हो जाएगा। जीवन में शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है।

डॉ आंबेडकर कहते थे की शिक्षा शेरनी के दूध के समान है जो पियेगा वह दहाड़ेगा। वे समता, शिक्षा व दलित उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका कहना था कि छुआछूत गुलामी से भी ज्यादा बदतर है।बाबा साहब एक विद्वान और कानून के जानकार थे। वे स्वतंत्रत भारत के संविधान की रचना के लिए बनी प्रारूप समिति के अध्यक्ष नियुक्त हुए। बाबा साहब संविधान का ड्राफ्ट तैयार किया एवं संविधान निमार्ता कहलाए। वह एक समाज के प्रेरक थे, उनका दर्शन सामाजिक चिंतन पर आधारित था। डॉ भीमराव अंबेडकर भारत के नहीं विश्व के महान नागरिक थे। वह एक महान सुधारक होने के साथ-साथ महान मानवतावादी तथा मानव अधिकारों के सफल पक्षधर भी थे। अंबेडकर पूरी शक्ति से छुआछूतो की सेवा में जुट गये जिसके कारण दलित समाज के मसीहा पुकारे जाने लगे।

इस अवसर पर डॉ गेंदालाल सहनी, अनिल मंडल, अलख निरंजन पासवान, अवनीश कुमार, गौतम बनर्जी, मोहम्मद उस्मान, सलाउद्दीन हसन, मोहम्मद इरशाद, जनार्दन आजाद, मोहम्मद अयाज, मोहम्मद शहादत, बसर उल हक युवा जिला अध्यक्ष, गुंजन कुमार, कैलाश यादव, अनिल कुमार, आर्यन कुमार, मोहम्मद मंजूर जिला उपाध्यक्ष, मोहम्मद सरवर इमाम आदि उपस्थित थे।

बाबा साहेब ने संविधान में सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को किया शामिल: मोहिंद्र सिंह

संजना भारती संवाददाता

असंध। क्षेत्र के गांव चोरकारसा में बाबा साहेब का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरु ब्रह्मनंद पब्लिक स्कूल चोरकारसा के प्रिंसिपल मास्टर मोहिंद्र सिंह और सरपंच सतबीर सिंह दहिया उपलानी की अध्यक्षता में बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ अंबेडकर जयंती के अवसर पर समाजसेवियों ने श्री गुरु रविदास आश्रम स्थित बाबा साहेब के चित्र पर माला अर्पण सहित पुष्प वर्षा की। इस मौके पर मास्टर मोहिंद्र सिंह ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को भारतीय संविधान के शिल्पी के रूप में जाना जाता है यह उपाधि उनके संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के प्रयासों से संविधान में सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को शामिल किया गया, जो भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के योगदान से भारत में लोकतंत्र की स्थापना हुई, जो आज भी देश की राजनीतिक व्यवस्था की आधारशिला है। इस अवसर पर समाजसेवियों ने बाबा साहेब अंबेडकर को नमन किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जयंती पर याद किए गए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर

संजना भारती संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मुखिया हीरा कुमारी के अध्यक्षता में ग्राम पंचायत राज गणपतौल के सभागार कक्ष में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

उक्त मौके पर मुखिया हीरा कुमारी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने समाज के वंचित जनों के अधिकारो के लिए सदैव संघर्ष किया है। मौके पर सरपंच विभा देवी, पंच नेपाल पासवान, शशि कुमार, अमित कुमार, कंचन कुमारी, वैजनाथ पासवान एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक ज्योति कुमारी सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

दादुपुर में मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

एसबी ब्यूरो

बछवाड़ा(बेगूसराय)। दादुपुर पंचायत सरकार भवन के प्रांगण में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाया गया। नेतृत्व कर रहे वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि जगदीश राय उर्फ मुन्ना यादव थे। उक्त मौके पर उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से जाति भेदभाव को समाप्त करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। मौके पर पंचायत समिति कमल पासवान, धनेश्वर राय, सरपंच प्रतिनिधि अजय कुमार राय, आपका आंचल संस्था के अध्यक्ष अवधेश कुमार चौधरी, पूर्व पंचायत समिति श्रीकांत पासवान, मनोज कुमार, डॉ. अनिल कुमार, चंद्रजीत राय, शंकर राय, देवी लाल राय, जयजय राम राय, विनोद राय, रंजीत राय, कुंदन यादव, सुबोध कुमार यादव, राम उदगार चौधरी सहित बीएमपी के सभी जवान मौजूद थे।